

**Landing Strips in N.E.F.A.**

1073. **Shri Gohain:** Will the Minister of Communications be pleased to state:

(a) how many landing strips have been constructed so far in the North East Frontier Agency areas;

(b) whether there is any proposal to extend passenger air services to Lohit Frontier and other Divisions of North East Frontier Agency; and

(c) if so, when

**The Minister of Legal Affairs and Civil Aviation (Shri Pataskar):** (a) Necessary information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha in due course.

(b) Not at present, Sir.

(c) Does not arise.

**Industrial Development**

1074. **Shri Debendra Nath Sarma:** Will the Minister of Commerce and Consumer Industries be pleased to state:

(a) whether the question of starting some small-scale manufacturing industries in Assam, has been considered with a view to develop the State during the Second Five Year Plan period; and

(b) if so, the number of industries which will be developed and the amount to be invested?

**The Minister of Trade (Shri Kar-markar):** (a) and (b). A provision of Rs. 80 lakhs has been made in the Second Five Year Plan for the development of various small-scale industries in Assam. This is exclusive of the provision for the Industrial Estate proposed to be set up in Gauhati, at an estimated cost of Rs. 20 lakhs (approximately).

**डाकघर (राजस्थान)**

१०७५. श्री प० ला० बाक्याल : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५५-५६ में राजस्थान में कितने नये डाकघर खोले गये और १९५६ के अन्त तक कितने और डाकघर खोले जाने वाले हैं, और कहाँ-कहाँ पर ; और

(ख) क्या यह सच है कि जैसलमेर के गांव नाचना और जिला श्री गंगानगर

के गांव पीर कामड़िया आदि कई स्थानों से नये डाकघर खोलने की मांगें आई हैं और वहाँ के लोग डाक और तार विभाग की होने वाली क्षति को भी पूरा करने को तैयार हैं फिर भी वहाँ अभी तक डाकघर खोलने की स्वीकृति नहीं मिली है ?

संचार मंत्री (श्री राज बहादुर) :

(क) १९५५ में राजस्थान में २६५ डाकघर खोले गये। १९५६-५७ में नवम्बर, १९५६ के अन्त तक ६२ डाकघर खोले जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त दिसम्बर, १९५६ के अन्त तक ५ तथा जनवरी से मार्च १९५७ तक ६४ और डाकघर खोलने का प्रस्ताव है।

एक विवरण जिसमें खोले गये डाकघरों के नाम दिये हुए हैं, सभा-घटल पर रखा जाता है।

[दृष्टि परीक्षण ५, अनुबन्ध संख्या ३८]

(ख) श्री गंगानगर के जिले में पीर कामड़िया गांव में बिना अनिवर्तनीय रकम (Non-returnable Contribution) लिये हुये एक डाकघर खोलने की मंजूरी दी जा चुकी है, और आशा है कि यह डाकघर चालू वित्तीय वर्ष में खुल जायेगा। नचना के बारे में भी, डाकघर खोलने की मंजूरी दी जा चुकी थी, परन्तु वह डाकघर अभी तक इस कारण से न खोला जा सका कि वह नजदीक से नजदीक डाकघर से ४० मील की दूरी पर है। साथ ही कोई ऊंटों का ठेकेदार ७० रुपये महीने पर हर दूसरे दिन डाक ले जाने के लिये नहीं मिलता था। स्थानीय अधिकारियों ने अब एक ठेकेदार की सिफारिश की है, जो कि ७० रुपये महीने पर सप्ताह में दो बार डाक ले जाने के लिये तैयार है। आशा है कि यह डाकघर जल्दी ही खुल जायेगा और डाक सप्ताह में दो बार आया-जाया करेगी।